दिनांक–26 दिसम्बर 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लखनऊ में किया राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन। कहा– पिछले 11 वर्षों से बिना किसी भेदभाव के हर नागरिक के हित में काम कर रही है सरकार।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी किया कार्यक्रम को सम्बोधित। मुख्यमंत्री ने कहा–पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के विजन के अनुरूप मजबूत हुआ है देश।
- आज से लागू हो रहा है संशोधित यात्री किराया ढांचा। उपनगरीय सेवाओं और सीजन टिकटों के किराए में कोई बदलाव नहीं।
- प्रदेश भर में कड़ाके की ठंड जारी। मौसम विभाग ने जारी किया घने से लेकर अत्यंत घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की एक सौ एकवीं जयंती के अवसर पर लखनऊ में कल राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पैंसठ फीट ऊंची विशाल कांस्य प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर उनका अनावरण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने इन राष्ट्र नायकों के जीवन पर आधारित एक भव्य संग्रहालय का भी उद्घाटन किया। कमल के आकार में बने इस संग्रहालय में उन्नत डिजिटल और आकर्षक तकनीकों के माध्यम से भारत की राष्ट्रीय यात्रा और इन दूरदर्शी नेताओं के योगदान को प्रदर्शित किया गया है।

इस अवसर पर एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले ग्यारह सालों से उनकी सरकार समाज के हर नागरिक के कल्याण के लिए कड़ी मेहनत कर रही है और बिना किसी भेदभाव के उन्हें सभी योजनाओं का लाभ दे रही है। यह सुशासन और सच्ची धर्मनिरपेक्षता का परिचायक है। श्री मोदी ने कहा कि सरकारी योजनाओं का शत–प्रतिशत लाभ पहुंचाना उनकी सरकार का उद्देश्य है।

हमने अंत्योदय को सैचुरेशन यानी संतुष्टीकरण का नया विस्तार दिया है। सैचुरेशन यानी हर जरूरतमंद, हर लाभार्थी को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के दायरे में लाने का प्रयास जब सैचुरेशन की भावना होती है तो भेदभाव नहीं होता और यही तो सुशासन है, यही सच्चा सामाजिक न्याय है, यही सच्चा सैक्युलरिज्म है।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने कई ऐसी पहल कीं जिनसे देश के विकास का परिदृश्य बदल गया।

कनेक्टिविटी को लेकर अटल जी के विजन ने 21वीं सदी के भारत को शुरुआती मजबूती दी है। अटल जी की सरकार के समय ही गांव–गांव तक सड़कें पहुंचाने का अभियान शुरू किया गया था। उसी समय स्वर्णिम चतुर्भुज यानी हाईवे के विस्तार पर काम शुरू हुआ था। साल 2000 के बाद से प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत अब तक करीब 8 लाख किलोमीटर सड़के गांवों में बनी हैं और इनमें से करीब 4 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़के पिछले 10–11 साल में बनी हैं।

प्रदेश की बदली हुई छवि का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अब यह राज्य विकास का पर्याय बन गया है। इस अवसर पर रक्षा मंत्री और स्थानीय सांसद राजनाथ सिंह ने कहा कि अटल जी ने संस्कृति, समाज और राजनीति में बहुत बडा योगदान दिया।

हमारा देश जिन मंत्रों के साथ आगे बढ़ा है, उनमें हमारे प्रधानमंत्री जी के द्वारा दिया गया एक महत्वपूर्ण मंत्र है। अपने महापुरुषों और अपनी विरासत का स्मरण करना, उन पर गौरव की अनुभूति करना तथा उनके प्रति सम्मान इसी सोच से प्रभावित होकर इस प्रेरणा स्थल में भारत के तीन ऐसे महापुरुषों की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जो प्रेरणा के मूर्ति स्वरूप हैं और जिन्होंने आजाद भारत को सम्मान, स्वाभिमान और एक नई पहचान दिलाने का काम किया है।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के विजन के अनुरूप देश मजबूत हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी जी की प्रेरणा से जब हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत का वर्तमान स्वरूप देख रहे हैं तो कहीं ना कहीं हम सब के प्रेरणा के रूप में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और सदैव अटल बिहारी वाजपेई जी का वह मार्गदर्शन भी एक नई प्रेरणा के रूप में हम सबके सामने रहता है। यह वर्ष सदैव अटल बिहारी वाजपेई जी का जन्म शताब्दी महोत्सव का वर्ष है और सदैव अटल जी कहते थे, अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा तो यह केवल मात्र एक आशा नहीं बल्कि भारत राष्ट्र के उज्जवल भविष्य को लेकर के उनके अड़िग विश्वास, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प का उद्घोष था।

हमारे संवाददाता ने बताया कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल को एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय स्मारक और स्थायी राष्ट्रीय महत्व के प्रेरणादायक परिसर के रूप में विकसित किया गया है।

यह संग्रहालय भारत की राष्ट्रीय यात्रा और दूरदर्शी नेताओं के योगदान को उन्नत, डिजिटल और इमरसिव टेक्नोलॉजी के माध्यम से दिखाता है जो लोगों को एक शानदार अनुभव देता है। लगभग 230 करोड़ रुपए की लागत से बना और 65 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैला यह परिसर एक ऐसी राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में बनाया गया है जो नेतृत्व मूल्यों, राष्ट्रीय सेवा सांस्कृतिक चेतना और सार्वजनिक प्रेरणा को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इस परिसर में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 65 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमाएं हैं जो भारत की राजनीतिक सोच, राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक

जीवन में उनके महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक हैं। इनमें एक अत्याधुनिक संग्रहालय भी है जिसे कमल के फूल के आकार में बनाया गया है जो लगभग 98 हजार वर्ग फुट में फैला हुआ है। सुशील चंद्र तिवारी, आकाशवाणी समाचार लखनऊ।

****

रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और परिचालन को संतुलित करने के लिए आज से संशोधित यात्री किराये ढांचे को लागू किया जा रहा है। संशोधित किराया ढांचे के तहत उपनगरीय सेवाओं और सीजन टिकटों के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। संशोधन के अनुसार सामान्य श्रेणी में दो सौ पन्द्रह किलोमीटर तक की यात्रा के लिए किराए में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। इससे अधिक दूरी की यात्रा पर प्रति किलोमीटर एक पैसे की दर से वृद्धि की जाएगी। मेल, एक्सप्रेस और वातानुकूलित गाड़ियों में यह दर दो पैसे प्रति किलोमीटर होगी। संशोधित किराया केवल आज या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर लागू होगा। पहले से बुक किए गए टिकटों पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा, भले ही यात्रा प्रभावी तिथि के बाद की जाए। रेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट सरचार्ज या अन्य सहायक शुल्कों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

****

गुरु श्री गोबिन्द सिंह जी महाराज के चार साहिबजादों के बलिदान दिवस को आज 'वीर बाल दिवस' और साहिबजादा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में उनकी शहादत को याद किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राष्ट्र, धर्म और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले साहिबजादों की अदम्य साहस और वीरता की अमर गाथा युगों–युगों तक राष्ट्रभक्ति, धर्मनिष्ठा और कर्तव्यनिष्ठ जीवन हेतु सभी का पथ आलोकित करती रहेगी।

****

बहत्तरवीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल पुरुष और महिला चैंपियनशिप की मेजबानी अगले वर्ष वाराणसी द्वारा की जाएगी। यह चैम्पियनशिप वहां के डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में चार से ग्यारह जनवरी दो हजार छब्बीस तक आयोजित की जाएगी। वाराणसी के महापौर अशोक कुमार तिवारी ने कल आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। प्रतियोगिता में पुरुषों की सैंतीस और महिलाओं की छत्तीस टीमें हिस्सा लेंगी।

****

मौसम विभाग ने प्रदेश भर में आज और कल अनेक स्थानों पर घना से लेकर अत्यंत घना कोहरा पड़ने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक अट्ठाइस दिसम्बर को भी कुछ स्थानों पर यही स्थिति बनी रहेगी। इस अवधि में मौसम शुष्क रहेगा और तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। इस बीच, प्रदेश के लगभग सभी जिलों में कड़ाके की ठंड जारी है। कई जिलों में घने कोहरे के चलते जन–जीवन प्रभावित है। इसका असर रेल, हवाई यातायात और पठन–पाठन पर भी पड़ रहा है।

****